रविनाथ रामन आई0ए0एस0
सचिव, विद्यालयी शिक्षा
उत्तराखण्ड

सचिवालय
उत्तराखण्ड

गणतंत्र दिवस संदेश

आपार हर्षोल्लास का विषय है कि आज हम गणतंत्र दिवस· उत्साह एवं प्रसन्नता के साथ मना रहे हैं। इस पावन अवसर पर विद्यालयी शिक्षा के सभी छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाधिकारियों, कार्मिकों का तथा शिक्षा जगत से जुड़े समस्त जनों को हार्दिक शुभकामनाएं

इस अवसर पर हम सर्वप्रथम देश को आजाद कराने तथा संविधान निर्माण करने वाले महान स्वाधीनता संग्राम सेनानियों को नमन करते हैं जिनके प्रयास से हमारा देश आजाद हुआ है तथा संविधान का निर्माण किया गया।

शिक्षा एक ऐसा साधन है जो कि राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। इस हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सुझावों को क्रियान्वित करने हेतु महत्वपूर्ण क्रियाकलाप किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 जहां एक ओर आधुनिक डिजिटल शिक्षा, मशीन लर्निंग पर जोर देती है, वहीं यह प्राचीन महान सांस्कृतिक विरासत तथा ज्ञान परंपरा पर आधारित है। राज्य सरकार के द्वारा विद्यालयी शिक्षा में इस नीति के क्रियान्वयन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। अद्यतन इस नीति के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (बुनियादी शिक्षा) का दस्तावेज तैयार किया जा चुका है तथा स्कूली शिक्षा की पाठ्यचर्या का कार्य भी प्रगति पर है। विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्तापरक सुधार हेतु शिक्षा सभी शिक्षकों को सेवारत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा विद्यालय प्रमुखों के लिए शैक्षिक नेतृत्व एवं प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किया जा रहा है। एक प्रभावी निरीक्षण, अनुश्रववण तथा पश्चपोषण हेतु राज्य में विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है। जिसके माध्यम से छात्रों, शिक्षकों तथा विद्यालयों का डाटा एकत्र किया जा रहा है। भविष्य में इसके माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में चल रही योजनाओं तथा गतिविधियों की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी तथा छात्रों की वास्तविक शैक्षिक प्रगति को ट्रेक कर आवश्यक सुधार हेतु शिक्षकों को अनुसमर्थन प्रदान किया जा सकेगा।

इसी क्रम में राज्य के 181 विद्यालयों को पी0एम0 श्री स्कूल के रुप में विकसित किया जा रहा है। इन स्कूलों को भौतिक संसाधनों से परिपूर्ण कर इनमें समग्र, एकीकृत एवं वास्तविक जीवन्त स्थितियों पर आधारित

शिक्षण किया जाएगा। स्मार्ट कक्षा, पुस्तकालय, खेल का मैदान, कम्प्यूटर तथा प्रयोगशालाओं से परिपूर्ण ये स्कूल अति विशिष्ट होंगे।

छोटी कक्षाओं के छात्र–छात्राओं में विषय की समझ बढ़ाने हेतु गढ़वाली, कुमांऊनी, जौनसारी तथा अन्य स्थानीय भाषाओं में पुस्तकों का विकास किया जा रहा है, जिससे छात्र–छात्राओं में विषय की समझ बढ़ेगी एवं स्थानीय भाषाओं तथा उनका साहित्य भी विकसित हो सकेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की सिफारिशों के अनुरुप छात्र–छात्राओं में सृजनात्मक तथा रचनात्मक क्षमताओं के विकास हेतु वर्ष भर में 10 दिवसीय बस्ता रहित दिनों की शुरुआत भी शीघ्र की जाएगी। जहां पर छात्र–छात्राऐं स्थानीय शिल्प, संगीत, कला तथा अन्य जानकारियों से समृद्ध होकर विद्यालय के प्रति रुचि विकसित कर सकेंगे।

गुणवत्ता एवं समावेशी शिक्षा प्रदान करने हेतु विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के अन्य क्रियाकलाप किये जा रहे हैं जिनमें विज्ञान महोत्सव, खेल, प्रतियोगिताऐं महत्वपूर्ण है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालयों की स्थापना तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कक्षा–1–8 तक के छात्र–छात्राओं में कुपोषण की समस्या को दूर करने हेतु पी0एम0 पोषण योजना को और भी प्रभावी बनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत छात्र–छात्राओं की चिकित्सा जांच, फोर्टिफाइड दूध वितरण तथा भोजन में स्थानीय अनाजों तथा सब्जियों का प्रयोग किया जा रहा है।

गणतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर हम संकल्प लेते है कि हम देश के महान स्वाधीनता सेनानियों तथा संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने हेतु प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे ताकि विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके।

इस अवसर पर पुनः सभी छात्र–छात्राओं शिक्षकों, शिक्षाधिकारियों, शिक्षणेत्तर वर्ग के कार्मिकों, अभिभावकों तथा नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाए एवं बधाई।

रविनाथ रामन
सचिव